

धूसरच्छदा स्त्री. (तत्.) बुहना या बोहना नाम का पौधा।

धूसरता स्त्री. (तत्.) मटमैलापन, मलिनता।

धूसरपत्रिका स्त्री. (तत्.) हस्ति शृङ्गी अथवा हाथीसूँड का पौधा।

धूसरा वि. (तत्.) (स्त्री. धूसरी) 1. मटमैला, खाकी, धूल के रंग का 2. धूल से सना हुआ या मैला स्त्री. पांडुफली।

धूसरित वि. (तत्.) 1. धूसर किया हुआ, धूल से मटमैला 2. धूल से भरा हुआ।

धूसरी स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की किन्नरी।

धूसला वि. (तद्.) दे. धूसरा।

धूस्तुर पुं. (तत्.) धतूरा।

धूस्तूर पुं. (तत्.) दे. धतूरा।

धूस्संझा स्त्री. (तद्.) गोधूलि का समय।

धूहा पुं. (तत्.) 1. दूह 2. बाँस पर टाँगी जाने वाली काली हाँडी या पुतला जो चिड़ियों को डराने के लिए खड़ा किया जाता है।

धृक् अव्य. (तद्.) दे. धिक्।

धृग अव्य. (तद्.) दे. धिक्।

धृत वि. (तत्.) 1. धारण किया हुआ, धरा हुआ या पकड़ा हुआ 2. स्थिर या निश्चित किया हुआ, स्थित 3. पतित 4. तौला हुआ 5. तैयार किया हुआ पुं. 1. धारण या ग्रहण करने की क्रिया, पकड़ना 2. पहनना 3. गिरना 4. स्थिति 5. लड़ने की एक पद्धति 6. तेरहवें मनु रौच्य के पुत्र का नाम 7. द्रुह्यवंशीय धर्म का एक पुत्र।

धृतकेतु पुं. (तत्.) वसुदेव के बहनोई का नाम।

धृतदंड वि. (तत्.) 1. दंड देने वाला 2. दंडित, जिसे दंड मिला हो।

धृतदीधिति पुं. (तत्.) अग्नि।

धृतदेवा स्त्री. (तत्.) देवक की कन्या का नाम।

धृतपट वि. (तत्.) जिसने वस्त्र धारण किया हो।

धृतमाली पुं. (तत्.) अस्त्रों को निष्फल करने का एक अस्त्र, अस्त्र-संहार।

धृतराष्ट्र पुं. (तत्.) 1. एक कौरव राजा जो विचित्रवीर्य के पुत्र और दुर्योधन के पिता थे 2. वह राष्ट्र जहाँ का शासक अच्छा हो 3. वह राजा जिसका राज्य और शासन दृढ़ हो 4. एक नाग का नाम 5. बौद्ध मान्यता के अनुसार एक गंधर्व राजा 6. जनमेजय के एक पुत्र 7. एक प्रकार का हंस।

धृतराष्ट्री स्त्री. (तत्.) 1. धृतराष्ट्र की स्त्री 2. कश्यप ऋषि की पाँच कन्याओं में से एक जो हंसों की आदि माता थी।

धृतलक्ष्य वि. (तत्.) जो अपना लक्ष्य प्राप्त करने में दृढ़ता से लगा हो।

धृतवर्मा पुं. (तत्.) त्रिगर्त का राजकुमार, जिसके साथ अर्जुन को अश्वमेध के घोड़े की रक्षा के लिए युद्ध करना पड़ा था वि. जिसने वर्म यानी कवच धारण किया हो।

धृत विक्रय पुं. (तत्.) तौलकर पदार्थ बेचने का ढंग या प्रकार।

धृतव्रत वि. (तत्.) जिसने कोई व्रत धारण किया हो पुं. पुरुवंशीय जयद्रथ के पुत्र विजय का पौत्र।

धृतमानस वि. (तत्.) दृढ़ निश्चय।

धृतात्मा वि. (तत्.) दृढ़ चित्त वाला, धीर पुं. विष्णु।

धृति स्त्री. (तत्.) 1. धारण करने की क्रिया या भाव, ग्रहण करना, पकड़ना 2. ठहराव, स्थैर्य 3. धैर्य, धीरता 4. तुष्टि 5. प्रीति 6. सोलह मातृकाओं में से एक 7. फलित ज्योतिष में एक योग 8. चंद्रमा की सोलह कलाओं में से एक 9. साहित्य-विवेचन में एक व्यभिचारी भाव 10. दक्ष की कन्या तथा धर्म की पत्नी का नाम 11. अश्वमेध की एक आहुति का नाम पुं. 1. राजा जयद्रथ का पौत्र 2. एक विश्वदेव का नाम 3. यदुवंशीय वभु का पुत्र।